महिला सशक्तीकरण की कहानी: आधुनिक तकनीक से बदलाव अनामिका देवी

महिला किसान का नाम: अनामिका देवी
उम्र: 33 वर्ष | **शिक्षा:** परास्नातक (Post Graduate)
गाँव: कोह | **प्रखंड:** पेटरवार | **जिला:** बोकारो | **मोबाइल नं:** 7488281031

1. सफलता से पूर्व की स्थिति

अनामिका देवी एक साधारण आदिवासी परिवार में जन्म लेकर आज आत्मनिर्भर हैं। उनकी शादी 2009 में हुई थी, तब उन्होंने इंटर की परीक्षा पास की थी। चूंकि धन अभाव के कारण आगे पढ़ना संभव नहीं था। हालांकि उनके परिवार के पास एकड़ जमीन थी, लेकिन ज्ञान की कमी से किसी तरह परिवार चल रहा था।

2. कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका (विवरण)

अनामिका देवी चूंकि काफी महत्वाकांक्षी थीं तथा अपना जीवन स्तर बढ़ाने के लिए, खेत में हाथ आजमाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र में 2017 में सब्जी उत्पादन एवं टपक सिंचाई (Drip Irrigation) के साथ पाली मल्च (Plastic Mulch) का प्रशिक्षण लिया। साथ ही समय-समय पर मूल्य संवर्धन (Value Addition) जैसे- महुआ का लड्डू, सॉस, पापड़, बेर का अचार बनाने में पारंगत हासिल किया। साथ ही चिकन की अधिक मांग के कारण मुर्गी फार्म इकाई की स्थापना की।

3. गतिविधियों का परिणाम

अनामिका देवी ने सब्जी की खेती को आधुनिक टपक सिंचाई के साथ पाली मल्च करना शुरू किया, जिसमें टपक सिंचाई से खीरा, करेला, लौकी, तरोई की खेती बेमौसम में करना शुरू कर दिया। साथ ही धान, आलू के साथ मुर्गी पालन में भी ध्यान दिया। अनामिका ने मूल्य संवर्धन के उत्पादों में महुआ का लड्डू, बेर का अचार एवं सॉस का निर्माण कर बिक्री कर अच्छी आय प्राप्त कर रही थीं। नीचे सब्जी उत्पादन जो कि मुख्य व्यवसाय का विवरण दिया जा रहा है।

4. आर्थिक परिणाम (तुलनात्मक विवरण)

क्र. सं.	स्थिति	उत्पादन (क्विंटल)	लागत (₹) / क्विंटल	सकल उत्पाद मूल्य	शुद्ध आय (₹)	रोजगार सृजन (श्रम दिवस)
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका से पहले	768.00	800/-	1,200	44,200	15
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र की भूमिका के बाद	96.00*	600/-	180	1,20,000	34

(नोट: मूल डेटा के फॉन्ट रूपांतरण के अनुसार आंकड़े दिए गए हैं।)

5. परिणाम (Outcome) का महिलाओं और उनके परिवार/अन्य महिलाओं पर प्रभाव

अनामिका देवी द्वारा जो टपक सिंचाई के साथ पाली मल्च का प्रयोग किया गया, जिससे न केवल उत्पादन में वृद्धि हुई बल्कि सिंचाई जल में अत्यधिक कमी हुई। आय बढ़ने से अनामिका देवी ने परास्नातक (MA) की पढ़ाई की एवं अपने दो बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ा रही हैं। साथ ही गाँव में बहुत सी महिला किसानों को मूल्य संवर्धन एवं नई तकनीक पर जानकारी दे रही हैं।

उनके अनुभव के आधार पर **झारखंड जलछाजन (Jharkhand Watershed Development)** में उनको ₹12,000 प्रति महीना पर परामर्शी (Consultant) के तौर पर रखा गया। आज उनका घर पक्का होने के साथ-साथ सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।